लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद,हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

अमृत विचार

वर्ष 4, अंक 103, पृष्ठ 16, मूल्यः 6 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

बरेली, सोमवार, 27 फरवरी 2023

PAGE NO : 09 BOTTOM

दिखावे का जीवन जीना बेकार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● एसआरएमएस रिद्धिमा में हुआ नाटक 'बड़े भाईसाहब' का मंचन

अमृत विचार: एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को मुंशी प्रेमचंद लिखित नाटक "बड़े भाई साहब" का मंचन किया गया। नाटक का निर्देशन शैलेंद्र शर्मा ने किया। इसका मुख्य पात्र बड़े भाई साहब हैं, जो छोटे भाई से पांच साल बड़े हैं और छोटे भाई के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं।

दोनों भाई छात्रावास में रहते हैं। बड़े भाई खेलकूद पर ध्यान न देकर हर समय पढ़ते रहते हैं। वह ऐसा इसलिए करते हैं कि उनका छोटा भाई उनका अनुसरण कर सके। अपने इस व्यवहार तथा उपदेशों से वो छोटे भाई को अनुशासन में रखने का प्रयास करते हैं। लेकिन छोटे भाई का मन पढ़ाई में बिल्कुल नहीं लगता। वह हर समय खेलकूद में लगा रहता। कई बार वह बड़े भाई की डांट खाकर पढ़ने का मन बनाता है और उसका टाइम टेबल बनाता है। लेकिन अगले ही पल उसकी अवहेलना भी शुरू कर देता है। बड़े भाई पढ़ने के बाद भी साहब बार-बार परीक्षा में फेल हो जाते हैं और छोटा भाई कम पढ़ने के बाद अपनी कक्षा में प्रथम आता है।

कहानी के अंत में लेखक ने बड़े भाई साहब के मन का रहस्य खोला है कि छोटे भाई को उसके कर्तव्यों का बोध कराने के कारण ही वह खेल नहीं पाते। इसके बाद छोटे भाई को अपनी गलती का एहसास होता है और वह बड़े भाई से माफी मांगता है। नाटक में बड़े भाई साहब का चरित्र मोहसिन खान ने निभाया और छोटे भाई की भूमिका अभिनव शर्मा ने। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, डा. रीटा शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।